हत्या व रेप के मामले देख दिल दहल जाता है : नाईक

NBT एक्सक्लूसिव

UP में गवर्नर पद पर एक साल

■ लखनऊ : 22 जुलाई को गवर्नर राम नाईक का यूपी में एक साल पूरा हो जाएगा। इस एक साल में एमएलसी सूची के नाम लौटाने का मुद्दा हो या फिर लोकायुक्त की नियुक्ति, राम नाईक हमेशा सक्रिय नजर आए। हमारे **प्रमुख संवाददाता जय प्रकाश त्रिपाठी** ने नाईक से कई मसलों पर बात की।

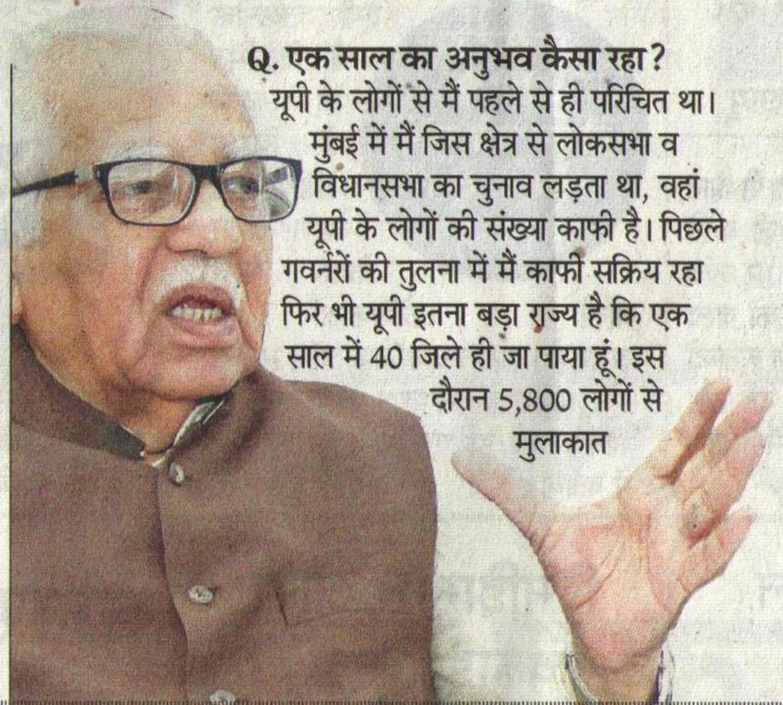

Q. एक साल का अनुभव कैसा रहा?

यूपी के लोगों से मैं पहले से ही परिचित था। मुंबई में मैं जिस क्षेत्र से लोकसभा व विधानसभा का चुनाव लड़ता था, वहां यूपी के लोगों की संख्या काफी है। पिछले गवर्नरों की तुलना में मैं काफी सक्रिय रहा फिर भी यूपी इतना बड़ा राज्य है कि एक साल में 40 जिले ही जा पाया हूं। इस दौरान 5,800 लोगों से मुलाकात की और 45,000 पत्र आए हैं। यूपी आया तो पहले भी था, लेकिन गवर्नर की भूमिका में नया अनुभव मिला।

Q. साल भर पहले जब आप आए थे तो आप ने यूपी की कानून व्यवस्था को गंभीर समस्या बताया था। अब आप यूपी के हालात का आकलन किस तरह करते हैं?

प्रदेश की कानून व्यवस्था में अब भी काफी सुधार करने की जरूरत है। रेप से लेकर हत्या जैसे अपराध लगातार हो रहे हैं। रोज अखबारों में इस तरह की खबरें रहती हैं, जिन्हें पढ़कर दिल दहल जाता है। यहां अधिकारियों के ट्रांसफर जल्दी-जल्दी होते हैं। अधिकारियों में स्थिरता नहीं है। इस पर ठोस काम करने की जरूरत है। छह-सात महीने में डीजीपी बदल दिए जाते हैं। अधिकारियों में क्षमता भरपूर है, शासन को उन्हें स्थिरता देनी चाहिए।

Q. यूपी में लोकायुक्त की नियुक्ति क्यों नहीं हो पा रही है?

कोर्ट के निर्णय के बाद भी लोकायुक्त व उपलोकायुक्त की नियुक्ति न होना गंभीर है। इस पद की जो गरिमा है उसे देखते हुए नियुक्ति में इतनी देरी नहीं होनी चाहिए। लोकायुक्त व उपलोकायुक्त की नियुक्ति के लिए मेरी ओर से भी सीएम को तीन पत्र भेजे जा चुके हैं। एक वर्ष में 24 रिपोर्ट राजभवन आईं जिसमें से सिर्फ चार रिपोर्ट पर ही सरकार ने जानकारी दी है। बाकी 20 रिपोर्ट पर सरकार की ओर से कुछ भी राजभवन को नहीं आया है।

यादव सिंह जैसे मामले विकास में बाधक ▸▸ पेज 11

'यादव सिंह जैसे मामले विकास में बाधक'

अमिताभ ठाकुर और सरकार के बीच टकराव पर राजभवन का क्या रुख है?

जो भी हुआ वो न सरकार को शोभा देता है और न ही उस अधिकारी (अमिताभ ठाकुर) को। अधिकारी को अपना कर्तव्य निभाना चाहिए।

आप पर ये आरोप भी लगते हैं कि बीजेपी का आधा काम आप संभाल लेते हैं?

पहले के गवर्नर इतने सक्रिय नहीं रहे होंगे। मैं एक संवेदनशील नागरिक भी हूं। मैं अपने विचारों की अभिव्यक्ति राज्य के हित में करता रहता हूं। संविधान के अंतर्गत जो भी जिम्मेदारी मुझे मिली है उसका निर्वहन कर रहा हूं। मैं सरकार को सलाह देता रहता हूं। इसमें पक्ष विपक्ष की भूमिका मेरे मन में नहीं है।

यूपी में गवर्नर पद पर एक साल होने पर राम नाईक की एनबीटी से खास बातचीत

यूपी में और किस तरह के सुधार की जरूरत है?

कानून व्यवस्था मजबूत करने और भ्रष्टाचार रोकना होगा। यादव सिंह जैसे मामले प्रदेश को आगे बढ़ने में रुकावट पैदा करते हैं। सीएम विकास के लिए काफी मेहनत कर रहे हैं।

एमएलसी मनोनयन को लेकर इतनी देर क्यों हो रही है?

बड़े दुख की बात है कि यहां कला, साहित्य और सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाले चंद लोग नहीं मिल पा रहे हैं। जो नाम आए थे उनमें से कई के खिलाफ शिकायतें थीं, जो सीएम को बता दिया गया है।